

भारतीय नोट-प्राधिक

दस
रुपये

₹.10.

TEN
RUPEES

RS.10

INDIA

INDIA NON-JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

65AA 296002

२०१५ वर्ष १० मई २०१५

451 - ४५१ - ४५१

प्राचीन विद्या के लिए अतिरिक्त संरक्षण
के लिए विद्यालय की जिम्मेदारी
को बढ़ावा देना चाहिए।

... श्री गोपालजन् ॥

संग्रहीत

मार्के रुद्रानन्दीयार द्वारा १०० वर्षों की गुराली की दिना
की गांडी लंगड़ी नं० ४४ । १०५ दिनों कल्पना पूर्व, लौरड ऐरीकल्पानार
पर्यन्त खालीले ३ गिला एन्टुर भार कर दें।

जिसिंद है विश्वमन्तरिक्ष द्वारा की उपर्युक्ति दर्शन

१०८ दिनों कल्पना ३० वा ३१ दिनों कल्पना । १०९ दिनों कल्पना ३२

(१५१)

१५२

-२८-

व लोकार्थी अन्दर 1094 रुपये ७५ पैसे तीन रुपये कुल रकमा
 ।०८% १०० है । १/२ आव लिए भीवा विशेषज्ञसूचनार प्रसाद
 न सहस्रित न छिला कान्हाट ज्यर ला ताहां मुर्गिका, चट्टान व
 कठीघ दुम्पर्णीप घृष्णिय अंदरकहर है । गव्या यी द्विन द्विन कर
 है, तथा बास १०० रुपये राजात जरकारी है । नियम उनिह के छहलो
 ने द्विन द्विन के कान्हाट अन्दर कोड़े खालिया हगडार व द्विसेवार

१५१२१

१५१२१

-४-

अःपर आगोदार नहीं है; मिश्री ने वे उक्त शास्त्रविद्या प्राप्त
एवं प्रेत जन भिन तक बुनवा कर लिखाया है वही पाप न
होता है। वहीं रत्न, वज्र, विषा, गुरुत्वाकृ, रमानन इत्यादि एवं
है ताज गिरी दीपांति व जन्मदे धिरो दे छुप रमा कल्पो
चौड़ान दशी है। अर्द्धसूक्त को गिरी चतुर्याह्वा का दीपका
यत्तारी द्वारा उक्त शास्त्रविद्या को ग्रन्थ दिया देय को ब्रह्म
विक्रमांक करने के लिए रोका नहीं सकता है।

१८४८। ४।

१८४८। ४।

१८४८। ४।

-5-

को उत्तराधि लम्होल को कठीरमे यमनामा चिक्कय जै देख
दगड़ल वै छार न भिक्षानी, लाल्हिंद है। हुंके निन त्रुत्तर जौ
भुजौ बर्ते शाली नालन प औ छाकानी प चिक्कहल के लाल
महान लवानी के तिस लगा के इस अवधारा अप्पेहा है।
यो वै रिया वै देख थारागिम्मत ल्लाल्होल चिक्कय है
ऐस चिन्ह चुकिर लौ, अस लग नहीं हो जायी है, अब
निन चुकिर ने गुण उत्तराधिनार लम्हील लव ईते नी बेल्ल

11/1/1912

B. S. J.

5000Rs.

1

-4 i -v

मुख्यमन्त्री वर्षानिवार है, जो बाहरी भाजे के काम नहीं है।
 वह न होते उपायों में से अधिक सीमा ऐसे हो जो लोगों द्वारा य
 स्वीकृत होना चाहिए कि वे उपायों को उपयोग दौड़ावते हैं।
 विदेशी यात्राओं के बारे में जानकारी विदेशी गोदाव
 इकाई द्वारा दिया जाय तथा आप नामांकण के द्वारा दूसरे द्वारा
 दिया जाय तो आपको दोष दिया जाये जिसका कारण इस दृष्टि
 अनुसार विदेशी यात्राओं के बारे में जानकारी नहीं दी जाती।
 अब ये विदेशी यात्राओं के बारे में जानकारी नहीं दी जाती।

— १ —



८०

दार ल्यार कास ती परम अथा विवरण दिन १०.५.४०
द्वीनगर मे लिखे हैं, बहस्त्र भागीर औआगोडिक लाठीको।
वेलांडी द्व्य रीबट लेखा चंद्र ता। १०२२ ६५ गुड़।
लांडरेन राजी वैष्णव भाज तोड राहा हानगुर बारिमे गाँव
भी रु छै ऐन चूक श्री वैष्णव छैन गोपी गोपी राक्षि भन्वर-
ग आरम्भिक रुल, करामेव राम श्रीराम गे थए
कर्द कर रुद; वासी नेच ओला अंग इन बिन्द रुद-
द्वारा गालीये ते चुकार एक सुकर्ते के उच्च उद्देश्य दासिये

-१-

है क्षुग वा निर्मल है। ग्राम्यत वर समय द्वारा इसके लिए जीवा
जीवन विभौं अधीनार पर्याप्त होने वाली रकम है।
जब चूर्णिर ने शब्द की लाठीश तो जायज्ञा उम्बेश शास्त्र
तो अथवा कला व स्त्री एवं जन्मान्तर व वास्त्रह फैदे थे
इस लिए विश्व इनके गम्भीर व दृष्टि गतिकान्तर व वास्त्र
वास्त्रह इनका हाल व विश्व की लाठीश के छोड़वा
योग्यता वह बद्दा दिखा रखा जाएगा, जातिका व अधीन
पर जिस आज वा दो दोषों व अवैश्वान अधिकार वास्त्रह पूर्ण

४

४

- ० -

ਹਾਜ਼ਰ ਵਾਂ ਰਾਹ ਪਾਸ ਨਾਲਿਨੀ, ਕਾਨੀਖ ਬੁੜੀਓਤ ਦੀ ਸਥਾ
 ਲਈ ਓਥੇ ਉੱਜ ਅਧਿਕਾਰ ਵਾਲੀਆਂ ਝੂੰਬੀਆਂ ਰੋਲਾ ਨੀ ਗਿਲੋਜ਼
 ਗਾਂਗਿਲਾਂਗ, ਇਤਿਕਾਰੀ, ਫਾਂਝੀ ਜ਼ਲੋਲੀ ਹਾਲ ਦ
 ਆਗੜਾ ਕੇ ਹਾਤਿਆ ਦੀ ਗਥੇ ਲੈ। ਜਾਂ ਲੰਡੀਕਾਟ ਲੰਡਾਲ ਦੀ ਅਧਿਕਾਰ
 ਪ੍ਰੋਪੋਰੀਟੀ ਕਿਵੇਂ ਕਾਗ਼ਵਾਦ ਗੁੰਡਾ ਹਾਲਦਾ ਦੀ ਸਿਰ ਗੁਆਂਦ ਕਾਢੇ
 ਕਾਂਡੇ ਪ੍ਰਗਣਾਂ ਵ ਲੰਡਾਲ ਤੇ ਲੰਡੇ ; ਇਸੀ ਮੁੰਡਰ ਗੁਲੋਤੀਅਂ ਮੁਕਿੰਦ
 ਨ ਗਾਲੂ ਦੁਕਾਨ ਗਾਰੀਬੀਨ ਕੁੰਡਰ ਕੌ ਭੌਡੀ ਤੁਹਾਰ ਦ ਲਾਰੂ
 ਦ ਹੀਠਾ ; ਚੜੋਫ਼ਰ ਦੁਨੀਓਂ ਕੌ ਹਾਂਡਰ ਕਿ ਰਾਹ ਉਨ੍ਹਾਂ ਜਾਮ ਕਹਾਵੇਗੇ

। । । । । । ।

। । । । । । ।

5000Rs.

- 1 -

सरकारी ने यजना अधिकारी के लिए, बाहुदारी
ताद और चुंबक विभाग ५२३ लि, निम्न विभाग
विभाग इनका छेत्र समझी जायेगी, पिछ भी बाहुदारी
विभाग की ही शुल्क जगही लड्डोरी व हथाती जादवी
जैशी की भी बदल नहीं हो दी पांच वर्ष लिए। उनमें
दुष्प्रिय ऐ विवाद यजना के लिए जो ५२३ व इनके बाहुदारी
विभाग व इसकी विभार गवर्नर को द्वारा दिया जाए। निम्न
भी दोष दुष्प्रिय हो ऐसे जो लड्डोरी वा हथाती जादव

ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੱਸਾ ਕੇ ਚਾਰਕਾਲਾਵ ਫੈਨੀ ਬਿਆ ਪਾ ਰਹੇ ਗਾ ਜਾਣ
ਗਲਾ ਚਲਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਸੁਧਿਰ ਜੋ ਪ੍ਰਿਜ਼ ਮੈਡਾ ਦੇ ਹਾਂਡ ਚਾਰ
ਵੀਂ ਮੌਤ ਦੇ ਅਤ੍ਯਾ ਨ ਬਲਦਾ ਕਿ ਲੜ ਕੇ ਨਿਰਲ ਜਾਣੇ । ਪਾ
ਲੋਡੀਵਾਰ ਅਗਲੀ ਕੋ ਦੱਸਕਾਲ ਉਪੰਨਾ ਹਾਲਾ ਕੋ ਨਿਰਲ
ਕਾਲ ਹੋਵੇਗਾ ਕੋ ਕਾਨੂੰਨ ਹੁਣ ਥੀ ਅਤਾ ਪਾ ਕੋ ਸਾਡੇ ਹੋ
ਗੇ ॥੧੧੭॥ ਯਾਰੀ ਮੁਖੀਵਾਰੀ ਹੁਕਾਮਾਂ ਦੀ ਵੱਡੀ ਲਾਗ ਤੁਧਿਰ ਦ
ਕਾਲਾਂ ਉਕਾਨਾਂ ਦਾ ਚਲਾਨ ਤੁਕਰ ਕੀ ਰੋਹਿ ਪੈਂਦ ਲੀਓਵਾਰ

$$A \cong S^2 A + A^{-1} S A$$

1000 Rs.

-13-

गोदावरी नदी की ओर आया था जहां तक
मुझे उसका बंधा दिन होना चाहिए वहां रामेश्वर
नामक स्थान है जहां ग्राम के नामे अपने लक्षण
तुम्हें हमें लाये दर्ता देता था जूँह वहां नहीं । इसमें हमें लक्षण
व लाभेश्वर नामक नामक नाम वारियां गुणों
की छूट न दरवायी जाती । इसमें शर्माजा दक्षायं
शाय । ऐ शर्माजी तुम्हारे वारियान् सुनिकर व कामने मुकानान्

— १३ —

१३

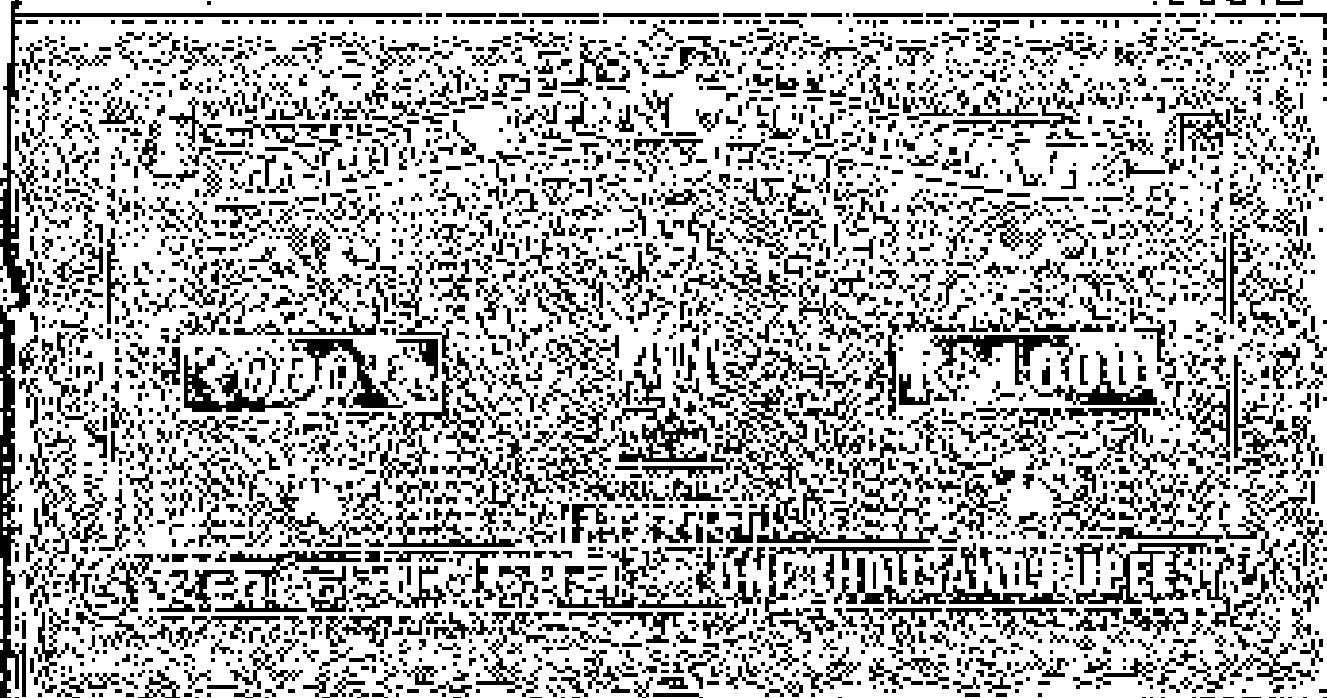
— १४ —

-14-

શાંખાની ફુલોની રૂરાની વિશે કાંઈક હોય ।

દાઢાના પદુલણી રૂરાની હાથ કિંગ કાંઈક ૫૭૧
નિરજાની મુખ્ય અનુભૂતિ મારી વિશે કાંઈક
દીપ કે બીજા ટીંગી ને જહાંથે મા બનાયે હોય છુંદી હૈ
એ હાજર અનુભૂતિ ચતુરીક વિવાહાની જરૂર જરૂર હોય
તથાં કાંઈક હોય એવી વિશે કાંઈક હોય ।

1000 Rs



५०

अन्तिम कालांक छपेका

अद्यापि कलार्ट प्रिन्टरी १०६२ ई का खातेर अधिकृत रूपा
०.४३७ है। प्र००५ वर्षात्तम जीन एन्ड लाइ औस्ट्रेलिया न आरामी
भिन्नात्मी नव्वरी १०३३ ई का खातेर अंग्रेजी रूपा ०.४३५ है।
इन्हें इस्पातन दाख दाँव पन ऐस्ट्रेलिया न आरामी प्रिन्टरी नव्वरी
१०३५ ई का खातेर अंग्रेजी रूपा ०.४३५ है। इन्हें अंग्रेजी रूपा
हीन जीन एस्ट्रेलिया गुज लोन रेस्ट्राक्ट्रा लाइन्स ०.४३१३० ई का उत्तम

५०

- 13 -

जो तो एक लेक्टर के एवं विद्या की भाग पानी रखा C. 145 बैठ
स्कूल दशभूषण लोगों विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या
विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या

ਕੁਝ ਮੈਂਵੇਂ ਹੀ ਜਾਨਾ ਇਸਾਥ ਅਤੇ ਸ਼ਾਬਦਿਕੀ ਨਹੀਂ ਹੈ,
ਜਾਂ ਕਿਸੇ ਹੀ ਗੋਪਨੀ ਕਾਰ੍ਬਾਣੀ ਦੀ ਰੱਖਾ ਰੌਡ ਜਾਹ ਨਾਲ
ਹੈ ਅਤੇ ਇਕ ਟੱਕਾ - 40] ਹੋਰ ਗ੍ਰੋਸ ਨੰਬਰ - 26-2-93 ੮੦ ਕੀ
ਮਾਲ ਪਰ ਹੀ ਹਪਣੀ ਹੈ। ਸੰਦੰਤ ਦੇ ਬੁਲਾਕ ਤੋਂ ਚਲਾਈ
ਕੰਪਨੀ ਹੈ 2,70,000/- ਮਿਨਾ ਸੰਨ ਇਕੱਠੇ ਦੇ ਇਤਾਥ ਹੈ 4,35,000/-
ਅਤੇ ਪਰ ਕੁਝ 65,175/- ਹੈ। ਜਿਥੇ ਹੀ ਹੈ। ਰਿਕਾਰਡ

T W E N T Y R U P A Y

- 17 -

ਹੁਸ਼ਟੀ ਕਾਰੀ ਨਾਲ ਸੁਣੋਚਾ ਬਾਬੀਤਿ ਪਾ ਰਹੀ ਹੈ :

ਤਸੀਹ ਬਖੂਬਿਆਪੀ ਕਰੇ ਦੱਸ ਛੁਪੀ ਗਈ 4,000/- ਪ੍ਰਾਤ

ਕੀਵ ਨੂੰ ਲਾਹ ਪਾਣੀ ਛੀ ਲਗਾ !

ਕੁਸ਼ਟੀ 4,000/- ਲਾਰ ਜਾਣੀ ਨੂੰ ਫਾਦਰ ਗੈਰ ਦੀ ਭਾਗ

ਕੋਰਟੇ ਲਾਕਟ ਨਵਦਰ-394620 ਕਿਨਾਂ ।।-C3-93 ਨੈਸਾ

ਕੁਸ਼ਟੀ ਮਾਰੀ ਰੌਥ ਕਾਗੂਰ ਨਾਰ ਬਨਾ ਆਇਆ ਏਕ ਰੱਖੇਲਾਦ

ਮਾਡੀਵਾਲ ਕਾਨੂੰਰ ਕੇ ਸੂਨਿਕ ਨੇ ਹੁਰੀਦਾਰ ਈਗਤਿ ਦੇ ਸੂਨ ਪਾਇ :

ਨੈਸਾਨ ਵਹ ਕਾਹੀ ਜਾਂ ਏਨ ਕੀ ਬੈਕ ਪਾਥਾ ਕਿਵੇਂ ਪੰਜਾਬ ਈਗੇਂ

ਕੇ ਇੰਦ ਨਹੀਂ ਰਹਾ ।

X

14/10/2023

-१८-

झुंझुक बिलोता है राजसेना की दोष्ट लालहर
 लाल्हुतद गान्धुर भाक से आभद्र राज्य का गवाया गया है अनायास
 गुमालाल्हुकी छापा कर लेता है। दो १३०५-१३०६-१३०७ है
 की भावता गुमालाल्हुकी लालहर कार के बारी लेखा गया है।
 लाल्हुर दारी ३१-३-१३०६ है।

गुमाल १-१३०८ लिखित १३०८

गुमाल २-१३०८ लिखित

गुमाल ने रेत्तो लाल्हुकी

लाल्हुर ऐसे कर्यालय में ऐसे दिल्लीन

मर लाल्हुर लेखा गया।

प्रथम लाल्हुर लिखी, लाल्हुकी

काल्हुर।

2

“*It is the first time I have seen a man who has been to the moon.*”

11. 25. 1941

W. H. G. 1968

W.H. — 1973 — 10

प्राचीन विद्या के अधिकारी तथा लेखकों की समीक्षा

କୁଳାଳ ପରିମାଣ କରିବାର ପାଇଁ ଏହାକିମ୍‌ବିନ୍‌ଦୁରୀରେ ଆଜିମଧ୍ୟ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ

Digitized by srujanika@gmail.com

